24 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

Date: 24 Apr. 2024

Important News Articles

1. सरकार को 'भ्रामक विज्ञापनों का उपयोग करने वाली FMCG कंपनियों पर कार्रवाई होनी चाहिए: SC - द हिंदू
2. अमेरिकी रिपोर्ट: भारत में मानवाधिकारों का हनन हो रहा है - द हिंदू
3. नक्सल विरोधी अभियान: सुरक्षा बलों ने माओवादियों पर निर्णायक प्रहार किया - द इंडियन एक्सप्रेस
4. कृषि निर्यात में 9% गिरावट: सरकार ने 20 वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना बनाई - द इंडियन एक्सप्रेस
5. भारत में EV उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम - द हिन्दू
6. फ्लैश PMI डेटा: संयुक्त विनिर्माण, सेवा उत्पादन में वृद्धि - द हिंदू
7. नाबार्ड ने जलवायु रणनीति 2030 का अनावरण किया- द हिंदू

Editorials, Gists and Explainers

8. स्वास्थ्य बीमा को किफायती बनाया जाना चाहिए: IRDAI - द हिंदू
9. भारत में आय और धन असमानता - द हिंदू
10. प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी(PMAY-U) - द हिंदू

Quick Look

1. हेडलाइन इन्फ्लेशन
2. कोर इन्फ्लेशन
3. कोंडा रेड्डी जनजाति:
4. ओनिक्स मिसाइल
5. मेडागास्कर

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. सरकार को 'भ्रामक विज्ञापनों का उपयोग करने वाली FMCG कंपनियों पर कार्रवाई होनी चाहिए: SC - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे

- ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने कहा कि **केंद्र** को **फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG)** कंपनियों के खिलाफ "खुद को सक्रिय" करना चाहिए, अगर ये **विश्वसनीय उपभोक्ताओं** को लक्षित करने के लिए अपने उत्पादों के बारे में "**भ्रामक विज्ञापन**" देते हैं।।

मुख्य बिंदु

- FMCG के भ्रामक विज्ञापन जनता, विशेषकर परिवारों को धोखा देते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।
- केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के **मंत्रालय** ने **भारतीय खाद्य सुरक्षा** और **मानक प्राधिकरण (FSSAI)** से अग्रणी **FMCG** के खिलाफ आरोपों की जांच करने को कहा है।

अवमानना का मामला

- अदालत पतंजलि आयुर्वेद, इसके **सह-संस्थापक** और **योग गुरु बाबा रामदेव** और उनके **सहयोगी आचार्य बालकृष्ण** के खिलाफ **सुप्रीम कोर्ट** को दिए गए वचन के बावजूद **ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट** का उल्लंघन करके अपनी **आयुर्वेदिक दवाओं** का विज्ञापन जारी रखने के लिए अवमानना मामले की सुनवाई कर रही थी।

तेजी से बढ़ते उपभोक्ता

- ये ऐसे उत्पाद हैं जो तेजी से बिकते हैं और आम तौर पर धीमी गति से चलने वाले सामानों की तुलना में कम कीमत पर बेचे जाते हैं।
- इन वस्तुओं में भोजन, पेय, टूथपेस्ट, घरेलू सफाई उत्पाद और अन्य वस्तुएं शामिल हैं जो तीन साल से कम समय में समाप्त हो जाती हैं या उपभोग की जाती हैं।

ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954

- यह दवाओं के **विज्ञापन को नियंत्रित** करने और उपचारों में **जादुई गुणों** के दावों को **प्रतिबंधित** करने के लिए एक **विधायी** ढांचा है।
- इसमें **लिखित**, **मौखिक** और **दृश्य माध्यमों** सहित विभिन्न प्रकार के विज्ञापन शामिल हैं।
- अधिनियम के तहत, "**दवा**" शब्द का तात्पर्य **मानव या पशु उपयोग** के लिए **इच्छित दवाओं, रोगों** के **निदान या उपचार** के लिए **पदार्थों और शरीर** के **कार्यों** को प्रभावित करने वाले लेखों से है।
- उपभोग के लिए बनाई गई **वस्तुओं** के अलावा, इस अधिनियम के तहत "**मैजिक रेमेडीज़**" की परिभाषा तावीज़, मंत्र और **ताबीज** तक भी फैली हुई है, जिनमें कथित तौर पर उपचार या **शारीरिक कार्यों** को प्रभावित करने के लिए चमत्कारी शक्तियां होती हैं।
- यह दवाओं से **संबंधित विज्ञापनों** के **प्रकाशन पर सख्त नियम** लागू करता है।
- यह उन विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाता है जो ग़लत धारणाएँ देते हैं, **झूठे दावे** करते हैं, या **अन्यथा भ्रामक** हैं।
- इन प्रावधानों के उल्लंघन के परिणामस्वरूप दोषी पाए जाने पर **कारावास या जुर्माना सहित दंड** हो सकता है।
- अधिनियम के तहत शब्द **"विज्ञापन" सभी नोटिस, लेबल, रैपर और मौखिक घोषणाओं** तक फैला हुआ है।

2. अमेरिकी रिपोर्ट: भारत में मानवाधिकारों का हनन हो रहा है - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- UDHR
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

प्रासंगिकता: शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू।

समाचार:
- **अमेरिकी विदेश विभाग** ने अपनी **मानवाधिकार रिपोर्ट (HRR) - 2023** जारी की, जो **मानवाधिकार गतिविधियों** का देश-वार संकलन है।
- इसने भारत में एक दर्जन से अधिक विभिन्न प्रकार के **मानवाधिकारों के हनन** की **"विश्वसनीय रिपोर्ट"** को चिह्नित किया है।

मुख्य बिंदु:
- रिपोर्ट में **कुकी और मैतेई जातीय समूहों** के बीच **जातीय संघर्ष** के फैलने पर प्रकाश डाला गया।
- रिपोर्ट में **गैर-न्यायिक हत्याएं, जबरन गायब करना, मनमाने ढंग से गिरफ्तारी या हिरासत** में लेना, **जुर्म कबूल** कराने के लिए यातना देना, बार-बार **इंटरनेट** बंद करना शामिल है।
- देश में **वर्ष 2016-2022** के बीच **न्यायेतर हत्या**ओं के **813 मामले** दर्ज किए गए, जिनमें से सबसे अधिक मामले **छत्तीसगढ़** में दर्ज किए गए, इसके बाद **उत्तर प्रदेश** का स्थान है।

UDHR
- **मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा:** 30 अधिकारों और स्वतंत्रताओं में नागरिक और राजनीतिक अधिकार शामिल हैं, जैसे जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता, स्वतंत्र भाषण और गोपनीयता और आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार, जैसे सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा का अधिकार, आदि।
- भारत ने UDHR के प्रारूपण में सक्रिय भाग लिया है।
- UDHR एक संधि नहीं है , इसलिए यह सीधे तौर पर देशों के लिए कानूनी दायित्व नहीं बनाता है।
- UDHR, **नागरिक** और **राजनीतिक अधिकारों** पर **अंतर्राष्ट्रीय वाचा** और **आर्थिक, सामाजिक** और **सांस्कृतिक अधिकारों** पर अं**तर्राष्ट्रीय वाचा** के साथ मिलकर तथाकथित **अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों** का विधेयक बनाता है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (NHRC):
- भारत में **मानवाधिकारों** की र**क्षा और प्रचार** के लिए स्वतंत्र **वैधानिक निकाय** की स्थापना की गई।
- यह **मानवाधिकार उल्लंघनों** की समीक्षा करने और उन्हें **संबोधित** करने तथा **मानवाधिकारों** की सुरक्षा और संवर्धन के लिए **सिफारिशें** करने के लिए जिम्मेदार है।
- **NHRC** की स्थापना **मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA)**, 1993 के तहत की गई थी।
- यह मानवाधिकारों के संवर्धन और संरक्षण के प्रति भारत की चिंता का प्रतीक है।
- पेरिस सिद्धांतों (1991) के अनुरूप है

3. नक्सल विरोधी अभियान: सुरक्षा बलों ने माओवादियों पर निर्णायक प्रहार किया - द इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- वामपंथी उग्रवाद
- समाधान (SAMADHAN)

प्रासंगिकता: विकास और उग्रवाद के प्रसार के बीच संबंध।

समाचार :
- छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर सुरक्षा बलों ने माओवादियों पर निर्णायक प्रहार किया है।
- **BSF और जिला रिजर्व गार्ड** के **संयुक्त बल** ने **तीन वरिष्ठ कमांडरों** सहित उनमें से **29** को मार डाला।

मुख्य बिंदु:
- **बस्तर** में किसी एक **ऑपरेशन** में **माओवादियों** के हताहत होने की यह सबसे बड़ी संख्या थी।
- माओवादी आंदोलन **वर्ष 2010** में अपने चरम पर पहुंच गया था जब **20 राज्यों के 223 जिले** कुछ हद तक हिंसा से प्रभावित थे।
- **हिंसा** और उसके **परिणामस्वरूप** होने वाली **मौतों** में **वर्ष 2010** के **उच्चतम स्तर** से **73 प्रतिशत** की गिरावट आई है।

वामपंथी उग्रवाद:

- **वामपंथी उग्रवाद (LWE)**, जिसे **वामपंथी आतंकवाद** के रूप में भी जाना जाता है, उन **राजनीतिक विचारधाराओं और समूहों** को संदर्भित करता है जो **क्रांतिकारी तरीकों** के माध्यम से **सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन** की वकालत करते हैं।
- **भारत** में **वामपंथी उग्रवाद आंदोलन** की शुरुआत **वर्ष 1967** में **पश्चिम बंगाल** के **नक्सलबाड़ी** में हुए विद्रोह से हुई थी।
- वर्ष 2006 की **डी बंदोपाध्याय समिति** ने **आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों** में **आदिवासियों** के **खिलाफ शासन संबंधी अंतराल और सामाजिक भेदभाव** को नक्सलवाद के प्रसार के प्राथमिक कारणों के रूप में पहचाना।
- **स्वतंत्रता** के बाद **भूमि सुधारों** और **भूमि पुनर्वितरण** की **विफलता उग्रवाद** में वृद्धि का एक और कारण है।
- पुनर्वास की पर्याप्त व्यवस्था के बिना खनन, सिंचाई और बिजली परियोजनाओं द्वारा जबरन विस्थापन किया गया ।
- FRA, 2006 के तहत **पारंपरिक भूमि अधिकारों** का **गैर-नियमितीकरण, आदिवासियों** को भूमि अनुदान अस्वीकार करना ।

सरकारी पहल:

- **'वामपंथी उग्रवाद को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015** : व्यापक दृष्टिकोण जिसमें शासन, सुरक्षा और विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं।
- **किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015** : यह अधिनियम वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **समाधान(SAMADHAN):** यह वामपंथी उग्रवाद समस्या के लिए एकमात्र समाधान है। विभिन्न स्तरों पर अल्पकालिक नीति से लेकर दीर्घकालिक नीति तैयार की जाती है

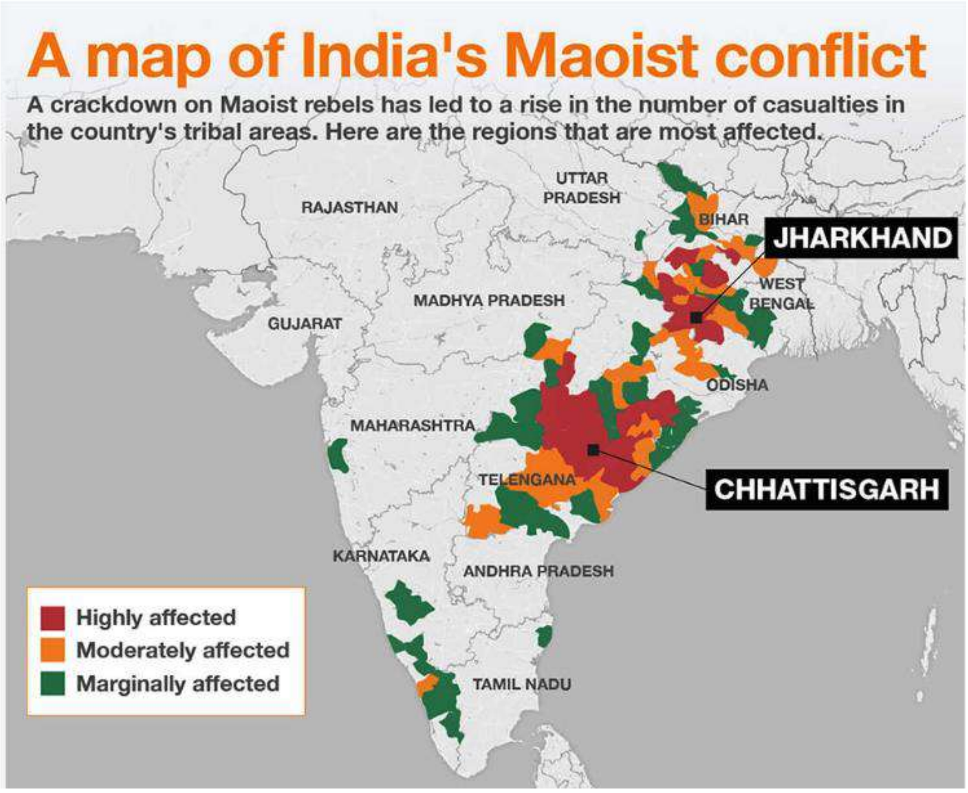

सामान्य अध्ययन III

4. कृषि निर्यात में 9% गिरावट: सरकार ने 20 वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना बनाई - द इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : कृषि उपज का परिवहन और विपणन तथा मुद्दे और संबंधित बाधाएँ; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- APEDA
- वाणिज्य मंत्रालय

समाचार:
- **लाल सागर संकट**, **रूस-यूक्रेन युद्ध और घरेलू प्रतिबंधों** के कारण **वित्त वर्ष 2024** की पहली **तिमाही** में **भारत** का **कृषि निर्यात** लगभग **9 प्रतिशत** गिरकर **43.7 बिलियन डॉलर** हो गया।
- **सरकार** ने **केले, आम, आलू** और **बेबी कॉर्न** सहित **20 वस्तुओं** के **निर्यात को बढ़ावा** देने के लिए योजना बनाना शुरू कर दिया है।

मुख्य बिंदु:
- **वैश्विक निर्यात** में **भारत** की हिस्सेदारी लगभग **2.5 प्रतिशत** है, और **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय** द्वारा इसे लगभग **4-5 प्रतिशत** तक बढ़ाने का लक्ष्य है।
- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण **(APEDA)** शिपमेंट को बढ़ावा देने के लिए अदरक, अनानास, आम और संतरे के लिए **समुद्री प्रोटोकॉल** विकसित करने पर काम कर रहा है ।

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)
- वर्ष 1985 में संसद द्वारा पारित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम के तहत स्थापित वैधानिक निकाय है।
- यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है ।

APEDA के कार्य:
- अनुसूचित उत्पादों के लिए **मानक और विशिष्टताएँ निर्धारित** करता है ।
- अनुसूचित उत्पादों के निर्यातकों का **पंजीकरण अनुसूचित उत्पादों** की **पैकेजिंग और विपणन** में सुधार करता है।
- उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए **उत्पादों का निरीक्षण** करना ।
- अनुसूचित उत्पादों से संबंधित **उद्योगों का विकास और सर्वेक्षण एवं अध्ययन** करना।
- अनुसूचित उत्पादों के उदाहरण: फल, सब्जियां, मांस, पोल्ट्री डेयरी उत्पाद, कन्फेक्शनरी, बिस्कुट, बेकरी उत्पाद, शहद, गुड़, आदि।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ:
- **विदेश व्यापार नीति, 2023:** इसे वर्ष 2030 तक भारत के निर्यात को 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था।
- छूट (परिहार) के लिए प्रोत्साहन
- सहयोग के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन
- व्यापार करने में आसानी, ले**नदेन लागत में** कमी और **निर्यात उत्कृष्टता योजना** के माध्यम से **नए शहरों** और **स्टेटस होल्डर योजना** के माध्यम से निर्यातकों की **ई-पहल की** पहचान।

5. भारत में EV उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम - द हिन्दू

प्रासंगिकता: सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप।

प्रीलिम्स टेकअवे
- इलेक्ट्रिक वाहन
- इलेक्ट्रिक वाहन नीति

समाचार:
- **केंद्र सरकार** ने हाल ही में **भारत** को **इलेक्ट्रिक वाहनों (EV)** के **विनिर्माण केंद्र** के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक नीति को मंजूरी दी है, जिसकी **न्यूनतम** निवेश सीमा **₹4,150 करोड़** निर्धारित की गई है।

मुख्य बिंदु

- यह **नीति** मोटे तौर पर **वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं** के लिए **भारतीय बाजारों** में प्रवेश का आसान करती है ।
- इस नीति का मुख्य लक्ष्य **व्यावसायिक** रूप से व्यवहार्य तरीके से **स्थानीय उत्पादन** में **बदलाव को सक्षम** बनाना और **स्थानीय बाजार की स्थितियों** और **मांग** के अनुसार योजना बनाना है।
- सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान न्यूनतम लागत पर पूरी तरह से **निर्मित इकाई (CBU)** के रूप में आयातित **इलेक्ट्रिक वाहनों पर आयात शुल्क** में कमी है।
- यह बशर्ते कि निर्माता **तीन साल के भीतर एक विनिर्माण इकाई स्थापित करे।**
  - नीति में यह भी निर्धारित किया गया है कि आयातित **इलेक्ट्रिक वाहन** की कुल संख्या पर **₹6,484** करोड़ का **कुल शुल्क** या किए गए **निवेश के अनुपात** में राशि (जो भी कम हो) माफ कर दी जाएगी।
- योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू **स्थानीयकरण लक्ष्य है।**
  - **निर्माताओं** के पास भारत में अपनी **विनिर्माण सुविधाएं** स्थापित करने के लिए **तीन साल** का समय है।
  - उन्हें **प्रोत्साहन संचालन** के तीसरे वर्ष तक **25% स्थानीयकरण** और **पांचवें वर्ष** तक **50% स्थानीयकरण** प्राप्त करने की उम्मीद है।
- यदि **स्थानीयकरण लक्ष्य** हासिल नहीं किए जाते हैं, और यदि योजना के तहत **परिभाषित न्यूनतम निवेश** मानदंड पूरे नहीं किए जाते हैं, तो **निर्माताओं की बैंक गारंटी** रद्द कर दी जाएगी।
- अधिकांश **भारतीय खिलाड़ी** अब तक **₹29 लाख** से नीचे के **सेगमेंट** में अग्रणी हैं, और इसलिए यह **नीतिगत लाभ (15% आयात शुल्क से)** संभवतः **मूल उपकरण निर्माताओं (OEMs)** के लिए होगा।
  - बाज़ार के ऊपरी हिस्से में उपभोक्ताओं की सेवा करना।
  - इसका मुख्य कारण उचित चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी, रेंज की चिंता और सीमित स्थानीयकरण के कारण किफायती रेंज में उत्पादों की सीमित संख्या है।

इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लाभ:

- स्वदेशी विनिर्माण के माध्यम से मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देता है।
- इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन में नवाचार और नई तकनीक को बढ़ावा देना।
- कच्चे तेल के आयात में कमी से व्यापार घाटे का भार कम होगा।
- स्थायी भविष्य के लिए वायु प्रदूषण को कम करना।
- नागरिकों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव।

6. फ्लैश PMI डेटा: संयुक्त विनिर्माण, सेवा उत्पादन में वृद्धि - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- क्रय प्रबंधकों की सूची
- सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **भारत** के **विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों** का **संयुक्त उत्पादन** इस महीने लगभग **14 वर्षों** में सबसे तेज़ गति से बढ़ सकता है
- HSBC **फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI)** के अनुसार, सेवा गतिविधि **तीन महीने** के **उच्चतम स्तर** पर पहुंच गई है।

क्रय प्रबंधकों की सूची

- यह एक **सर्वेक्षण-आधारित** उपाय है जो **उत्तरदाताओं** से पिछले महीने की तुलना में **प्रमुख व्यावसायिक चर** के बारे में उनकी धारणा में बदलाव के बारे में पूछता है।
- **उद्देश्य** : कंपनी के निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- इसकी गणना **विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों** के लिए अलग-अलग की जाती है और फिर एक **समग्र सूचकांक** भी बनाया जाता है।
- यह **अनौपचारिक क्षेत्र** की **गतिविधि पर कब्जा** नहीं करता है।
- **PMI 0 से 100** तक की संख्या है।
  - 50 से ऊपर प्रिंट का मतलब विस्तार है, जबकि इससे नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।
  - 50 पर रीडिंग कोई बदलाव नहीं दर्शाती है।

PMI का महत्व

- इसे आर्थिक गतिविधि का एक अच्छा अग्रणी संकेतक माना जाता है।
  - यह आमतौर पर हर महीने की शुरुआत में जारी किया जाता है।
- कई देशों के **केंद्रीय बैंक** भी ब्याज दरों पर निर्णय लेने में मदद के लिए **सूचकांक** का उपयोग करते हैं।
- यह **कॉरपोरेट** आय का संकेत भी देता है और निवेशकों के साथ-साथ **बांड बाजारों** पर भी इस पर करीबी नजर होती है।
- **सूचकांक** का अच्छा अध्ययन किसी अन्य **प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था** की तुलना में किसी **अर्थव्यवस्था** के आकर्षण को बढ़ाता है।

7. नाबार्ड ने जलवायु रणनीति 2030 का अनावरण किया- द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- नाबार्ड
- ग्रीन क्रेडिट

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव।

समाचार:

- **राष्ट्रीय कृषि** और **ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)** ने **पृथ्वी दिवस** के अवसर पर अपने **जलवायु रणनीति 2030** दस्तावेज़ का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य **भारत की ग्रीन फाइनेंसिंग** की आवश्यकता को संबोधित करना है।
- भारत को **वर्ष 2030** तक **2.5 ट्रिलियन डॉलर** से अधिक की **कुल संचयी राशि** तक पहुंचने के लिए सालाना लगभग **170 बिलियन डॉलर** की आवश्यकता है , वर्तमान **ग्रीन फाइनेंस** प्रवाह गंभीर रूप से अपर्याप्त है।

मुख्य बिंदु:

- **वर्ष 2019-20** में, भारत ने **ग्रीन फाइनेंसिंग** में लगभग **49 बिलियन डॉलर** जुटाए, जो कि जरूरत का एक अंश मात्र है।
- **शमन** के लिए निर्धारित अधिकांश **धनराशि, अनुकूलन और लचीलेपन के** लिए केवल **$5 बिलियन** आवंटित की गई थी।
- **बैंक योग्यता** और **वाणिज्यिक व्यवहार्यता** में चुनौतियों के कारण इन क्षेत्रों में **निजी क्षेत्र** की भागीदारी न्यूनतम है।

नाबार्ड जलवायु रणनीति 2030:

- **नाबार्ड की जलवायु रणनीति 2030** में निम्नलिखित **चार प्रमुख स्तंभों** शामिल हैं:
  - सभी क्षेत्रों में हरित ऋण में तेजी लाना
  - व्यापक बाज़ार-निर्माण भूमिका निभाना
  - आंतरिक हरित परिवर्तन और
  - सामरिक संसाधन जुटाना।

नाबार्ड:

- यह **राष्ट्रीय कृषि** और **ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम 1981** द्वारा अस्तित्व में आया।
- **बी शिवरामन समिति** के आधार पर, **नाबार्ड** ने **भारतीय रिजर्व बैंक** के **कृषि ऋण विभाग (ACD)** और **ग्रामीण योजना** और **क्रेडिट सेल (RPCC)** का स्थान ले लिया।
- नाबार्ड विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, वाणिज्यिक बैंकों (CB) की ग्रामीण विकास परियोजनाओं को कार्यान्वित करता है।
- **ईशक्ति : "ईशक्ति"** भारत में **स्वयं सहायता समूह (SHG)** के सभी सदस्यों के **डिजिटलीकरण** के लिए नाबार्ड द्वारा विकसित एक परियोजना है।
- **किसान क्रेडिट कार्ड योजना:** नाबार्ड द्वारा किसानों को कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए उनकी ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **जनजातीय विकास कार्यक्रम:** एकीकृत जनजातीय विकास कार्यक्रम नाबार्ड द्वारा कार्यान्वित किया जाता है, जिसका लक्ष्य देश के जनजातीय परिवारों को स्थायी आजीविका प्रदान करना है।

नाबार्ड के कार्य:

- ऋण प्रवाह में छोटे बैंकों का पर्यवेक्षण करता है।
- **सतत विकास:** प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम जिसमें वाटरशेड विकास, जनजातीय विकास और फार्म नवाचार जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं।

- **ग्रामीण नवाचार का समर्थन करना:** यह ग्रामीण नवाचार, अपरंपरागत कृषि पद्धतियों के लिए धन आकर्षित करने में कामयाब रहा है
- किसी **परियोजना** की **निगरानी और मूल्यांकन** करना इसकी जिम्मेदारी **ग्रामीण क्षेत्र** में होने वाली **परियोजना या गतिविधि** की **निगरानी और मूल्यांकन** करना है।
- **ग्रामीण अवसंरचना निधि:** ग्रामीण अवसंरचना विकास के लिए धन उपलब्ध कराता है।
- **वेयरहाउस इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (WIF)** : नाबार्ड की सुविधाओं का उपयोग करते हुए, देश में कृषि वस्तुओं के लिए वैज्ञानिक भंडारण बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं के लिए ऋण दिया जाता है।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

8. स्वास्थ्य बीमा को किफायती बनाया जाना चाहिए: IRDAI - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, मानव संसाधन से संबंधित मुद्दे
प्रसंग :

- **भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)** ने बीमा **प्रदाताओं** से व्यापक **जनसांख्यिकीय नागरिकों** को **स्वास्थ्य बीमा** से लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए कहा है।

मुख्य बिंदु:
- IRDAI ने बीमा कंपनियों को वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण निर्देश दिया है, क्योंकि 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वर्तमान में अपने लिए नई पॉलिसी जारी करने से रोक दिया गया है।
- यह घोषणा भारत में चल रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को स्पष्ट रूप से स्वीकार करती है।
- हालाँकि वर्ष 2011 के बाद से भारत की जनसंख्या के आंकड़ों का आधिकारिक तौर पर हिसाब नहीं दिया गया है
  - संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और विशेषज्ञों के अनुमान से पता चलता है कि भारत की जनसंख्या लगभग चीन के बराबर है और वर्ष 2023 में किसी समय इससे आगे निकल सकती है।
- इंडिया एजिंग रिपोर्ट, 2023, जो संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों से ली गई है, का अनुमान है कि भारत की 60 वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी वर्ष 2050 तक जनसंख्या के लगभग 10% (वर्ष 2022 में 149 मिलियन) से बढ़कर 30% (347 मिलियन) हो जाएगी।
  - सबसे विकसित देशों में से कई में पहले से ही वरिष्ठ जनसांख्यिकीय (65-प्लस) 16% से 28% तक है।
  - इनमें से कई देशों में, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में प्रवेश में कोई बाधा नहीं है।
- भारत के भविष्य के लिए अगले दो दशकों के महत्वपूर्ण होने के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, इस तर्क पर कि यही समय है जब भारत को अपने 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का लाभ उठाना चाहिए ।
  - इसका आधार कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा कृषि से बाहर जाना है और इसके बाद अनिवार्य रूप से वृद्धों की देखभाल करने वाली पारंपरिक संरचना टूट गई है।
  - इस प्रकार, स्वास्थ्य बीमा की पात्रता को व्यापक बनाने के साथ-साथ किफायती स्वास्थ्य देखभाल का व्यापक उन्नयन भी होना चाहिए।

स्वास्थ्य देखभाल में बुजुर्गों के सामने आने वाली चुनौतियाँ:
- सामर्थ्य का मुद्दा : विशेषज्ञ देखभाल की महँगी प्रकृति वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँचने से रोकती है।
- निर्भरता: विकलांगता और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के बारे में जागरूकता की कमी उन्हें दूसरों की मदद लेने के लिए मजबूर करती है।
- डिजिटल विभाजन : कई सरकारी कार्यक्रम और सेवाएँ ऑनलाइन हो रही हैं, जिससे वरिष्ठ नागरिकों के लिए उन तक पहुँच पाना एक चुनौती बन रहा है।
- उपेक्षा और दुर्व्यवहार: भारत में लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी (LASI), 2020 के अनुसार, भारत की कम से कम 5% बुज़ुर्ग आबादी ने कहा कि उन्हें बुरे व्यवहार का सामना हुआ है।

जनसांख्यिकीय विभाजन
- जनसांख्यिकीय लाभांश वह आर्थिक विकास क्षमता है जो जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप हो सकती है:
  - मुख्य रूप से जब कामकाजी उम्र की आबादी (15 से 64) का हिस्सा गैर-कामकाजी उम्र की आबादी (14 और उससे कम, और 65 और उससे अधिक) की हिस्सेदारी से बड़ा होता है।
- बड़ी संख्या में युवा आबादी वाला भारत जनसांख्यिकीय लाभांश का सामना कर रहा है।
- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या सांख्यिकी डेटाबेस के अनुसार , भारत वर्ष 2020 और वर्ष 2050 के बीच कामकाजी आयु वर्ग (15-64 वर्ष की आयु) में 183 मिलियन और लोगों को जोड़ने के लिए तैयार है ।
- आर्थिक विकास में जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए सभी नागरिकों के लिए समावेशी नीतियां होनी चाहिए।

9. भारत में आय और धन असमानता - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।
समाचार:

- मार्च में, **असमानता** और **सार्वजनिक नीतियों** पर केंद्रित एक **वैश्विक अनुसंधान केंद्र, वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब** ने 'भारत में आय और धन असमानता, 1**922-2023: द राइज़ ऑफ़ द बिलियनेयर राज**' शीर्षक से एक **वर्किंग पेपर** प्रकाशित किया।

मुख्य बिंदु	मानव विकास
आय और धन असमानता • रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष2022-23 तक, भारत की राष्ट्रीय आय का 22.6% देश के शीर्ष 1% लोगों के पास चला गया, जो पिछले 100 वर्षों में सबसे अधिक है। • और केवल शीर्ष 0.1% आबादी ने भारत में राष्ट्रीय आय का लगभग 10% अर्जित किया। • शीर्ष 10% के बीच संपत्ति का हिस्सा 1961 में 45% से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 65% हो गया। • भारत की धन असमानता ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जितनी चरम नहीं है, जहां शीर्ष 10% लोगों के पास क्रमशः 85.6% और 79.7% राष्ट्रीय संपत्ति है। • हालाँकि, वर्ष 1961 और वर्ष 2023 के बीच इसकी संपत्ति का संकेन्द्रण तीन गुना बढ़ गया है । • इसके अतिरिक्त, चूँकि भारत की आय असमानता दुनिया में सबसे अधिक है, यहाँ तक कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राज़ील और अमेरिका से भी अधिक, यह केवल धन असमानता को बढ़ाएगी। • वर्ष 1980 के दशक में उदारीकरण की शुरुआत के साथ ही असमानता बढ़ने लगी और भारत में वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद यह तेजी से बढ़ने लगी है। • यहां, हम इस बात पर जोर देना चाहेंगे कि उच्च आर्थिक विकास और असमानता में कमी के दोहरे उद्देश्य केवल मानव विकास में सुधार और गरीबी में कमी के साथ ही प्राप्त किए जा सकते हैं। • राष्ट्रीय स्तर पर, जिन राज्यों ने तीन दशकों तक उच्च विकास दर (प्रति वर्ष 7% GSDP से अधिक) कायम रखी, ये मानव विकास में अपेक्षाकृत उन्नत थे। • इनमें दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक, पश्चिम में महाराष्ट्र और गुजरात और उत्तर में पंजाब और दिल्ली शामिल हैं। • मानव विकास सूचकांक रैंकिंग में अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान शामिल हैं। • उदारीकरण के बाद ये राज्य केवल 5% प्रति वर्ष से कम की विकास दर दर्ज करने में सक्षम थे।	• मानव विकास रिपोर्ट (HDR) वर्ष 2023-2024 में भारत को 193 देशों में से 134वां स्थान दिया गया। • भारत अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन मानव विकास में यह अभी भी श्रीलंका, भूटान और बांग्लादेश से नीचे है। • इसकी आर्थिक वृद्धि मानव विकास में वृद्धि में परिवर्तित नहीं हुई है। • गरीबों को आर्थिक विकास के लाभों के लिए इंतजार नहीं करना चाहिए, मानव विकास को समावेशी विकास को बढ़ावा देने में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। • HDR 2023-2024 के अनुसार, अगर हम आर्थिक असमानता को ध्यान में रखें तो भारत का स्कोर 31.1% कम हो जाता है। • आर्थिक असमानता की सीमा ऐसी है कि इसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से दूर नहीं किया जा सकता है, जो लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कुछ किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करती है। • नौकरियों के बिना रियायतें निरंतर और समावेशी विकास का आधार नहीं हो सकतीं। • जैसा कि पेपर कहता है, "यह स्पष्ट नहीं है कि इस तरह की असमानता का स्तर बड़े सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बिना कितने समय तक बना रह सकता है"।

10. प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी(PMAY-U) - द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रसंग :

चूंकि वर्तमान **केंद्र सरकार** ने **दो कार्यकाल** पूरे कर लिए हैं, इसके प्रमुख कार्यक्रमों में से एक **वर्ष 2015** में **PMAY** (प्रधानमंत्री आवास योजना) योजना के तहत **शहरी और ग्रामीण** दोनों क्षेत्रों में **वर्ष 2022** तक सभी के लिए आवास (HfA) था।

PMAY योजना	PMAY में समस्याएँ

• योजना के घोषित उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:
  ○ निजी डेवलपर्स की भागीदारी से झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों का पुनर्वास
  ○ क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजनाओं (CLSS) के माध्यम से कमजोर वर्गों के लिए किफायती आवास को बढ़ावा देना
  ○ सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के साथ साझेदारी में किफायती आवास
  ○ लाभार्थी आधारित निर्माण (BLC) के लिए सब्सिडी।
योजना किस प्रकार फलीभूत हुई?
• भले ही योजना के पूरा होने में दो साल और बीत चुके हैं, HfA एक दूर की वास्तविकता बनी हुई है।
• अगस्त 2022 में, सरकार ने PMAY-शहरी (PMAY-U) को 31 दिसंबर, 2024 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी।
  ○ पहले से स्वीकृत आवासों को 31 मार्च 2022 तक पूरा करने के निर्देश।
• ICRIER के एक अध्ययन के अनुसार, शहरी आवास की कमी 54% बढ़ गई, वर्ष 2012 में 1.88 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2018 में 2.9 करोड़ हो गई है।
• इसका मतलब यह है कि जिस वर्टिकल को सबसे बड़ी मांग को पूरा करना चाहिए, जिसे इन-सीटू स्लम पुनर्विकास (ISSR) कहा जाता है, वह विफल हो गया है।
• PIB प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ISSR के तहत, जो शहरों में सबसे बड़ी जरूरत है, पात्र लाभार्थियों के लिए केवल 2,10,552 घर स्वीकृत किए गए हैं।
	• यह योजना सामाजिक आवास में सार्वजनिक निवेश के अंतर को पाटने में निजी क्षेत्र की भागीदारी से उत्साहित है।
	• ज़मीन भी एक बड़ा मुद्दा था.
	• हवाई अड्डों, रेलवे, वनों आदि के तहत पंजीकृत भूमि ISSR के लिए असंभव थी। इसके अलावा, ISSR की योजनाएं समुदाय की किसी भी भूमिका के बिना, सलाहकारों द्वारा तैयार की गईं है।
	• एक और बड़ी बाधा शहर के मास्टर प्लान और PMAY-U के बीच मौजूद विरोधाभास है।
	• अधिकांश शहरों की योजनाएँ अब बड़े सलाहकारों द्वारा तय की जा रही हैं जो बड़े पूंजी-गहन तकनीकी समाधानों के पक्षधर हैं।
	• उदाहरण के लिए, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अपने 2041 मास्टर प्लान में पारगमन-उन्मुख विकास मॉडल की वकालत की जा रही है।
	• यह सामाजिक आवास के बारे में बात नहीं करता है और कहता है कि यह बाजार शक्तियों से आना चाहिए। ऐसे में PMAY के लगभग सभी वर्टिकल फेल हो जाते हैं.
	• PMAY की वास्तुकला भूमिहीनों और गरीबों को संबोधित नहीं करती है। स्वीकृत घरों में से लगभग 62% BLC वर्टिकल के अंतर्गत आते हैं, जहां सरकार की भूमिका केवल लाभार्थियों के साथ लागत साझा करने तक सीमित है।
	• CLSS लाभार्थियों की संख्या 21% मानी जाती है। उपरोक्त दोनों में, सरकार की सीमित भूमिका है और इसमें केवल ब्याज सब्सिडी प्रदान करने का प्रावधान है, जबकि भूमि का स्वामित्व लाभार्थियों के पास है।
	• जिन झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों का ISSR के तहत पुनर्वास किया जाना है, ये कुल लाभार्थियों का लगभग 2.5% हैं।
	• जबकि PMAY एक केंद्र प्रायोजित योजना है, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को इसमें वित्तीय योगदान देना होता है।
	• ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योजना के तहत कुल निवेश व्यय में केंद्र का योगदान लगभग 25% या ₹2.03 लाख करोड़ है।
	• धनराशि का बड़ा हिस्सा लाभार्थी परिवारों द्वारा स्वयं खर्च किया जाता है, जो कि 60% या ₹4.95 लाख करोड़ है।

फैक्ट फटाफट

1. हेडलाइन इन्फ्लेशन

- हेडलाइन इन्फ्लेशन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के माध्यम से रिपोर्ट किया गया कच्चा इन्फ्लेशन आंकड़ा है
- यह श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (BLS) द्वारा मासिक रूप से जारी किया जाता है।
- व्यापक अर्थव्यवस्था में कितनी इन्फ्लेशन हो रही है यह निर्धारित करने के लिए CPI माल की एक निश्चित टोकरी खरीदने की लागत की गणना करता है।
- CPI एक आधार वर्ष का उपयोग करता है और आधार वर्ष के मूल्यों के अनुसार चालू वर्ष की कीमतों को अनुक्रमित करता है।

2. कोर इन्फ्लेशन

- कोर इन्फ्लेशन CPI घटकों को हटा देती है जो महीने-दर-महीने बड़ी मात्रा में अस्थिरता प्रदर्शित कर सकते हैं
- जो शीर्षक चित्र में अवांछित विकृति पैदा कर सकता है।
- सबसे आम तौर पर हटाए जाने वाले कारक भोजन और ऊर्जा की लागत से संबंधित हैं।
- खाद्य पदार्थों की कीमतें अर्थव्यवस्था से जुड़े कारकों के अलावा अन्य कारकों से भी प्रभावित हो सकती हैं
  - जैसे पर्यावरणीय बदलाव जो फसलों की वृद्धि में समस्याएँ पैदा करते हैं।
- ऊर्जा लागत, जैसे तेल उत्पादन, पारंपरिक आपूर्ति और मांग से बाहर की ताकतों, जैसे राजनीतिक असंतोष, से प्रभावित हो सकती है।

3. कोंडा रेड्डी जनजाति:

- कोंडा रेड्डीज़ एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह है जो गोदावरी नदी के किनारे और आंध्र प्रदेश के गोदावरी और खम्मम जिलों के पहाड़ी वन क्षेत्रों में निवास करता है।
- उनकी मातृभाषा तेलुगु है, जिसका उच्चारण अद्वितीय है।
- वैवाहिक संबंधों को विनियमित करने के लिए कोंडा रेड्डी जनजाति को बहिर्विवाही वर्गों में विभाजित किया गया है।
- अन्य तेलुगु भाषी लोगों की तरह, उनके उपनाम अलग-अलग नामों से पहले लगाए जाते हैं।
- आम तौर पर, प्रत्येक सेप्ट बहिर्विवाही होता है, लेकिन कुछ सेप्ट को भाई सेप्ट माना जाता है और भाई सेप्ट (सजातीय संबंध) के साथ विवाह गठबंधन निषिद्ध है।

4. ओनिक्स मिसाइल

- P-800 ओनिक्स, एक सुपरसोनिक मध्यम दूरी की क्रूज मिसाइल है, जिसे सतह के जहाज समूहों का मुकाबला करने के साथ-साथ मजबूत आग और इलेक्ट्रॉनिक जवाबी उपायों की स्थिति में जमीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे रूसी ब्रह्मोस के नाम से भी जाना जाता है, यह 3,000 किमी/घंटा से अधिक की गति तक पहुंच सकता है, जिससे इसे रोकना बेहद मुश्किल हो जाता है।
- इसके अतिरिक्त, मिसाइल जमीन या पानी से 10-15 मीटर की ऊंचाई पर काम करती है, जिससे इसकी गुप्त क्षमताओं में और वृद्धि होती है।
- इस मिसाइल की डिफ़ॉल्ट प्रक्षेप पथ पर मारक क्षमता 300 किलोमीटर तक है और कम ऊंचाई वाले प्रक्षेप पथ पर इसकी मारक क्षमता 120 किलोमीटर है।

5. तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण का अधिकार

- हाल ही में कई निर्णयों में जैसे अर्शिया रिज़वी बनाम यूपी राज्य और अन्य (2022), रजिया बनाम यूपी राज्य (2022) और शकीला खातून बनाम यूपी राज्य (2023)
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने CrPC की धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के गुजारा भत्ता का दावा करने के अधिकार की पुष्टि की है
- इद्दत अवधि पूरी होने के बाद भी जब तक वह शादी नहीं कर लेती।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन I : भारत में दवा के विज्ञापन से संबंधित कोई कानून नहीं है

कथन II: ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम दवाओं से उपचार में मैजिक गुणों के दावों को नियंत्रित करने के लिए एक विधायी रूपरेखा है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q2 . मौलिक अधिकारों के अलावा, भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन सा भाग मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (1948) के सिद्धांतों और प्रावधानों को दर्शाता है?

1. प्रस्तावना
2. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
3. मौलिक कर्तव्य

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? :

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q3. नक्सलवाद के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये सुधारात्मक पद्धति के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन की वकालत करते हैं
2. ग्रेहाउंड्स झारखंड में एक विशिष्ट माओवादी विरोधी शक्ति है
3. कोबरा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक विशेष बटालियन है

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q4. APEDA के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन I : APEDA भारत से कृषि के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।

कथन II : कृषि मंत्रालय APEDA के कामकाज और जिम्मेदारी को देखता है

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q5. इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारत में, दो या तीन पहिया वाहनों की तुलना में यात्री वाहनों की महत्वपूर्ण पैठ देखी गई है।
2. नई EV नीति के माध्यम से सरकार व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तरीके से स्थानीय उत्पादन में परिवर्तन को सक्षम करने का प्रयास कर रही है।
3. EV उल्लेखनीय रूप से शून्य टेलपाइप उत्सर्जन दर्शाते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीनों
4. कोई नहीं

Q6. क्रय प्रबंधक सूचकांक (PMI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसकी गणना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग की जाती है।
2. यह अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधि को भी दर्शाता है।
3. इसका उद्देश्य कंपनी के निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

Q7. ग्रीन क्रेडिट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन 1: MOEFCC ने जलवायु वित्तपोषण को संबोधित करने के लिए जलवायु रणनीति 2030 शुरू की है

कथन 2: ये सतत पर्यावरण परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए दिए गए ऋण हैं

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q8. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. मानव विकास रिपोर्ट: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
2. ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI): विश्वव्यापी चिंता और वेल्थुंगरहिल्फ़े
3. विश्व विकास रिपोर्ट: विश्व बैंक

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q9. जनसांख्यिकीय लाभांश के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह तब होता है जब कामकाजी उम्र की आबादी का हिस्सा गैर-कामकाजी उम्र की आबादी से अधिक होता है।
2. बुजुर्ग आबादी के अधिक बोझ के कारण भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश नहीं है
3. जापान उन देशों में से एक था जिसने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना (CLSS) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. CLSS एक सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को आवास ऋण पर ब्याज सब्सिडी प्रदान करना है।
2. यह योजना सभी के लिए किफायती आवास की सुविधा के लिए वित्त मंत्रालय के तहत संचालित होती है।
3. CLSS का प्राथमिक फोकस नए घरों के निर्माण और खरीद को बढ़ावा देना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प C सही है

व्याख्या

ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954

- दवाओं के विज्ञापन को नियंत्रित करने और उपचारों में मैजिक गुणों के दावों को प्रतिबंधित करने के लिए एक विधायी रूपरेखा है ।
- इसमें लिखित, मौखिक और दृश्य माध्यमों सहित विभिन्न प्रकार के विज्ञापन शामिल हैं।
- अधिनियम के तहत, "दवा" शब्द का तात्पर्य मानव या पशु उपयोग के लिए इच्छित दवाओं, रोगों के निदान या उपचार के लिए पदार्थों और शरीर के कार्यों को प्रभावित करने वाले लेखों से है।

उत्तर : 2 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- प्रस्तावना में समानता, न्याय और स्वतंत्रता के सिद्धांतों को अंकित किया गया है **कथन 1 सही है।**
- राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत सरकार को एक समतावादी और न्यायपूर्ण समाज बनाने की दिशा में निर्देशित करते हैं। **कथन 2 सही है.**
- मौलिक कर्तव्य मानव जाति का सम्मान करने और समाज के भीतर भाईचारा पैदा करने की बात करते हैं। **कथन 3 सही है**

उत्तर : 3 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- नक्सलवाद: वे क्रांतिकारी पद्धति के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन की वकालत करते हैं। **इसलिए कथन 1 गलत है।**
- ग्रेहाउंड्स आंध्र प्रदेश में एक विशिष्ट माओवादी विरोधी शक्ति है। **इसलिए कथन 2 गलत है।**
- कोबरा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक विशेष बटालियन है। **अतः कथन 3 सही है।**

उत्तर : 4 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- APEDA भारत से कृषि निर्यात के लिए जिम्मेदार है **कथन 1 सही है।**
- **APEDA वाणिज्य मंत्रालय के तत्वावधान में एक स्वतंत्र निकाय है जो** APEDA के कामकाज और जिम्मेदारी को देखता है। **कथन 2 गलत है.**
- वित्तीय सहायता प्रदान करके या अन्यथा सर्वेक्षण और व्यवहार्यता अध्ययन करने, संयुक्त उद्यमों और अन्य राहत और सब्सिडी योजनाओं के माध्यम से जांच पूंजी में भागीदारी के माध्यम से निर्यात के लिए अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों का विकास

उत्तर : 5 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- भारत में, दोपहिया और तिपहिया खंड में प्रवेश महत्वपूर्ण रहा है, यात्री वाहनों में अब तक केवल 2.2% योगदान देखा गया है। **कथन 1 गलत है**
- नई EV नीति का मुख्य लक्ष्य व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तरीके से स्थानीय उत्पादन में बदलाव को सक्षम बनाना और स्थानीय बाजार की स्थितियों और मांग के अनुसार योजना बनाना है। **कथन 2 सही है**
- इलेक्ट्रिक वाहन चलाने से कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिल सकती है क्योंकि इसमें शून्य टेलपाइप उत्सर्जन होता है। **कथन 3 सही है**

उत्तर : 6 विकल्प A सही है

व्याख्या

- परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स एक सर्वेक्षण-आधारित उपाय है जो उत्तरदाताओं से पिछले महीने की तुलना में प्रमुख व्यावसायिक चर के बारे में उनकी धारणा में बदलाव के बारे में पूछता है।
- उद्देश्य: कंपनी के निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना। **अतः, कथन 3 सही है।**
- इसकी गणना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग की जाती है और फिर एक समग्र सूचकांक भी बनाया जाता है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- यह अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधि पर कब्जा नहीं करता है। **इसलिए, कथन 2 गलत है।**
- PMI 0 से 100 तक की संख्या है।
- 50 से ऊपर प्रिंट का मतलब विस्तार है, जबकि इससे नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।
- 50 पर रीडिंग कोई बदलाव नहीं दर्शाती है।

उत्तर : 7 विकल्प D सही है

व्याख्या:

- नाबार्ड ने जलवायु रणनीति 2030 लॉन्च की है, **इसलिए कथन-I गलत है**
- ये सतत पर्यावरण परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए दिए गए ऋण हैं **इसलिए कथन-II सही है**

उत्तर : 8 विकल्प C सही है

व्याख्या

- मानव विकास रिपोर्ट (HDR) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट है।

- ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI) एक उपकरण है जो विश्व स्तर के साथ-साथ क्षेत्र और देश के अनुसार भूख को मापने और ट्रैक करने का प्रयास करता है, जिसे यूरोपीय गैर सरकारी संगठनों कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्थुंगरहिल्फे द्वारा तैयार किया गया है। GHI की गणना प्रतिवर्ष की जाती है, और इसके परिणाम प्रत्येक वर्ष अक्टूबर में जारी एक रिपोर्ट में दिखाई देते हैं।
- विश्व विकास रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा वर्ष 1978 से प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट है। प्रत्येक WDR आर्थिक विकास के एक विशिष्ट पहलू का गहन विश्लेषण प्रदान करता है। **अतः सभी कथन सही हैं**

उत्तर : 9 विकल्प B सही है.

व्याख्या:

- जनसांख्यिकीय लाभांश वह आर्थिक विकास क्षमता है जो जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप हो सकती है, मुख्य रूप से जब कामकाजी उम्र की आबादी (15 से 64) का हिस्सा आबादी के गैर-कामकाजी आयु हिस्से से बड़ा (14 और उससे कम उम्र और 65 और उससे अधिक उम्र) होता है **कथन 1 सही है.**
- बड़ी संख्या में युवा आबादी वाला भारत जनसांख्यिकीय लाभांश का सामना कर रहा है। **कथन 2 गलत है.**
- जनसंख्या की बदलती गतिशीलता के कारण जापान तेजी से विकास का सामना करने वाली पहली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 10 विकल्प B सही है

व्याख्या

- CLSS आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत एक सरकारी पहल है, न कि वित्त मंत्रालय के तहत इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS), निम्न-आय समूह (LIG) और मध्यम-आय समूह (MIG) से संबंधित व्यक्तियों को आवास ऋण के लिए ब्याज सब्सिडी प्रदान करना है। **अतः, कथन 1 सही है**
- यह योजना आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संचालित होती है, न कि वित्त मंत्रालय के तहत। इसे सभी के लिए किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। **इसलिए, कथन 2 गलत है**
- CLSS का प्राथमिक फोकस पात्र लाभार्थियों को आवास ऋण पर ब्याज सब्सिडी प्रदान करके नए घरों के निर्माण और खरीद को बढ़ावा देना है। **अतः, कथन 3 सही है**

Mentorship India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India
Power To Empower

G20
भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA